Choice Based Credit System (CBCS)

PURNEA UNIVERSITY, PURNIA

DEPARTMENT OF HINDI

UNDERGRADUATE PROGRAMME
(Courses effective from Academic Year : 2019-20)

SYLLABUS OF COURSES TO BE OFFERED

Core Courses, Elective Courses & Ability Enhancement Courses

(for Hindi Subject)

15.7.19
अध्यक्ष
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ।

स्नातक हिन्दी (प्रतिष्ठा) का पाठ्यक्रम
सत्र 2019–20 से लागू होने हेतु प्रस्तावित

प्रस्तावना

सत्र 2019–20 से त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (Three years Degree Course) को C.B.C.S. (Choice Best Credit System) के आधार पर निर्मित और पुनर्गठित किया जा रहा है। भारतीय स्नातक पाठ्यक्रम को वैश्विक स्तर के अनुरूप बनाया तथा विकसित किया जा रहा है।

यह पाठ्यक्रम एक–एक वर्ष के पूर्ववत् तीन खण्डों में विभाजित होगा। प्रत्येक एक वर्षीय खण्ड पुनः छह–छह माह के दो सेमेस्टरों में विभाजित होगा। यानी सम्पूर्ण त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम छह–छह माह के कुल छह सेमेस्टरों में विभाजित होगा।

तीनों खण्डों के छहों सेमेस्टरों में अध्ययन एवं परीक्षा के लिए कुल 26 (छब्बीस) पत्र निर्धारित किये जा रहे हैं। सभी 26 पत्र दो समूहों में वर्गीकृत हैं– 1. अनिवार्य पत्र एवं ऐच्छिक पत्र। अनिवार्य समूह के अन्तर्गत हर विषय के 14 पत्र कोर कोर्स के होंगे जो उस विषय के प्रतिष्ठा के छात्रों के लिए पढ़ना अनिवार्य होगा। साथ ही 4 (चार पत्र) अनिवार्य विषय–समूह के अंतर्गत सभी छात्रों, चाहे वे किसी भी संकाय (विज्ञान, वाणिज्य एवं कला) के किसी भी विषय में प्रतिष्ठा अथवा पास स्तर के पाठ्यक्रम का अध्ययन करते हों, के लिए पढ़ना आवश्यक होगा। शेष आठ पत्र बहुविकल्पी होंगे। छात्र अपनी इच्छानुसार उनमें से वैकल्पिक पत्रों का चुनाव कर सकेंगे। ये 8 (आठ) पत्र 4–4 के दो उपसमूहों में विभाजित रहेंगे। सेमेस्टरवार अध्ययन एवं परीक्षा के लिए पत्रों का निर्धारण निम्न सारणी के अनुसार होगा–

अनिवार्य पत्र समूह		ऐच्छिक पत्र समूह		कुल पत्र प्रति सेमेस्टर
सेमेस्टर – मुख्य विषय कोर कोर्स हिन्दी के लिए HCC	सभी के लिए पठनीय	HGEC	HDSEC	
प्रथम – HCC-1 & HCC-2	MIL/Eng. – I	1	–	4
द्वितीय – HCC-3 & HCC-4	पर्यावरण नियमावली–1 ESCL	1	–	4
तृतीय – HCC- 5, 6 & 7	HSEC-1 (Skill) Enhancement Course	1	–	4
चतुर्थ – HCC- 8, 9 & 10	HSEC-1 (Skill) Enhancement Course	1	–	5
पंचम – HCC- 11 & 12	–	–	2	5
षष्ठ – HCC- 13 & 14	–	–	2	4
कुल कोर कोर्स – 14	**4**	**4**	**4**	**26**

सेमेस्टरवार अध्ययन एवं परीक्षा हेतु पत्रों की संख्या इस प्रकार होगी –

प्रथम सेमेस्टर	–	4
द्वितीय सेमेस्टर	–	4
तृतीय सेमेस्टर	–	5
चतुर्थ सेमेस्टर	–	5
पंचम सेमेस्टर	–	4
षष्ठ सेमेस्टर	–	4
कुल	–	**26**

अनिवार्य विषय समूह के अंतर्गत आनेवाले मूख्यपत्र (कोर कोर्स) जो संख्या में 14 होंगे तथा ऐच्छिक के दोनों समूहों (HGEC एवं HDSEC) के सभी आठ पत्र 6–6 क्रेडिट के होंगे। हिन्दी (प्रतिष्ठा) के लिए क्रेडिट प्वाइण्टों का निर्धारण इस प्रकार होगा–

	सैद्धान्तिक	अभ्यासवर्ग (Tutorial)	कुल
HCC – 14	5 x 14 = 70	1 x 14 = 14	84
HGEC – 4	5 x 4 = 20	1 x 4 = 4	24
HDSEC – 4	5 x 4 = 20	1 x 4 = 4	24
MIL, पर्यावरण नियम, Skill Enhancement Course - 4	2 x 4 = 8	–	–
			132 / 140

सभी के लिए अनिवार्य विषय समूह के अन्तर्गत आनेवाले 4 चारों पत्रों (जो सिर्फ प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तक के लिए ही निर्धारित हैं) में से हरेक पत्र दो–दो क्रेडिट का होगा। इस प्रकार इस समूह के पत्रों के लिए कुल–8 क्रेडिट प्वाइण्ट निर्धारित हैं। प्रतिष्ठा विषय के अनिवार्य पत्रों, सभी संकाय एवं विषय के छात्रों के लिए समानरूप से अनिवार्य पत्रों एवं ऐच्छिक वर्ग के दोनों समूहों के पत्रों को मिलाकर कुल–140 क्रेडिट प्वाइण्ट प्रतिष्ठा के छात्रों के लिए निर्धारित हैं। जो छात्र प्रतिष्ठा स्तर का अध्ययन नहीं करना चाहेंगे, सिर्फ सामान्य (पास) स्तर का अध्ययन करना चाहेंगे, उन्हें मात्र 120 क्रेडिट प्वाइण्ट का अध्ययन करना एवं उतने की ही परीक्षा देनी होगी।

संक्षिप्तीकरण	विस्तृत रूप	हिन्दी अनुवाद
HCC	Hindi Core Course	हिन्दी मुख्य पाठ्यक्रम
HGEC	Hindi Generic Elective Course	हिन्दी सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम
HDSEC	Hindi Discipline Subjected Elective Course	हिन्दी विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम
MIL	Mother Indian Language	मातृभाषा भारतीय
ESCL	Envioromental Law	पर्यावरण नियमावली
HSEC	Hindi Skill Enhancement Course	हिन्दी कौशल विकास पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

हिन्दी कोर पाठ्यक्रम (HCC)

➢ **सेमेस्टर–1** :

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–1 : हिन्दी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–2 : हिन्दी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य)

➢ **सेमेस्टर–2** :

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–3 : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–4 : हिन्दी कविता (रीतिकालीन काव्य)

➢ **सेमेस्टर–3** :

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–5 : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–6 : हिन्दी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–7 : हिन्दी कहानी

➢ **सेमेस्टर–4** :

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–8 : भारतीय काव्यशास्त्र

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–9 : हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–10 : हिन्दी उपन्यास

➢ **सेमेस्टर–5** :

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–11 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–12 : हिन्दी नाटक / एकांकी

➢ **सेमेस्टर–6** :

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–13 : हिन्दी आलोचना

हिन्दी कोर प्रश्नपत्र–14 : हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

हिन्दी सामान्य (Generic) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HGEC)

➢ **सेमेस्टर–1** :

1. (क) लोकप्रिय साहित्य (ख) हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन–दोनों में से कोई एक

➢ **सेमेस्टर–2** :

2. (क) रचनात्मक लेखन (ख) पटकथा तथा संवाद लेखन– दोनों में से कोई एक

➢ सेमेस्टर–3 :

3. (क) हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद (ख) भाषा और समाज– दोनों में से कोई एक

➢ सेमेस्टर–4 :

4. (क) हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य (ख) भाषा शिक्षण– दोनों में से कोई एक

हिन्दी विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HDSEC)

➢ सेमेस्टर–5 :

1. (क) हिन्दी की मौखिक और लोक–साहित्य परंपरा (ख) अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य (ग) भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत– तीनों में से कोई एक

➢ सेमेस्टर–6 :

2. (क) हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण (ख) कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश (ग) भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा– तीनों में से कोई एक

➢ सेमेस्टर–7 :

3. (क) लोकनाट्य (ख) हिन्दी की भाषिक विविधताएँ (ग) भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन– तीनों में से कोई एक
4. (क) शोध–प्रविधि (ख) अवधारणात्मक साहित्यिक पद (ग) हिन्दी रंगमंच– तीनों में से कोई एक

हिन्दी कौशल–संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC)

(कोई दो : क और ख वर्ग से एक–एक का चयन)

सेमेस्टर–3 :

(क) निम्न चारों में से कोई एक

1. विज्ञापन और हिन्दी भाषा
2. कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा
3. सोशल मीडिया
4. अनुवाद–कौशल

➢ सेमेस्टर–4 :

(ख) निम्न तीनों में से कोई एक

1. कार्यालयी हिन्दी
2. भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण
3. भाषा और समाज

➢ एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : आधुनिक भारतीय भाषा संप्रेषण / अंग्रेजी

➢ एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : पर्यावरण विज्ञान

कुल 26 प्रश्नपत्र

HCC

सेमेस्टर–1
(1:1)

HCC-1 : हिन्दी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

इकाई–1 : हिन्दी भाषा के विकास की पूर्व पीठिका

- भारोपीय भाषा–परिवार एवं आर्यभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिन्दी का आरम्भिक रूप
- 'हिन्दी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिन्दी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

इकाई–2 : हिन्दी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

- हिन्दी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिन्दी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क–भाषा, संचार भाषा)

इकाई–3 : लिपि का इतिहास

- भाषा और लिपि का अंतःसंबंध
- परिभाषा, स्वरूप एवं आवश्यकता

इकाई–4 : देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
- भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबलि पाण्डेय (लोक भारती प्रकाशन)
- हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
- लिपि की कहानी – गुणकर मुले
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

सेमेस्टर–1

(1:2)

HCC-2 : हिन्दी कविता (आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

पाठ–सामग्री

इकाई–1 (क) **अमीर खुसरो**– अमीर खुसरो (व्यक्तित्व और कृतित्व) डॉ० परमानन्द पांचाल

कव्वाली – घ (1)

गीत – ङ (4) (13)

दोहे – च (पृष्ठ 86); 5 दोहे

(1) गोरी लोने (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा चकवी (5) सेज सूनी

(ख) **विद्यापति** – विद्यापति की पदावली, संपा, आचार्य श्रीरामलोचन शरण

वंदना – 1 राधा की वंदना

श्रीकृष्ण का प्रेम – 35 (प्रेम–प्रसंग)

राधा का प्रेम – 36

इकाई–2 (क) **कबीरदास** – कबीर ग्रंथावली, संपा, डॉ. माता प्रसाद गुप्त
(लोकभारती प्रकाशन; प्रथम संस्करण; फरवरी, 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)

धर्म विद्यौसण कौ अंग (1, 10)

सधा साषीभूत कौ अंग (3, 4)

सरग्राही कौ अंग (3, 4)

संग्रथाई कौ अंग (9)

– पद संख्या 64 – काहे री नलिनी.....

– पद संख्या 66 – अब का करूँ .....

(ख) **मंझन** – मंझन–कृत 'मधुमालती'; संपा, माता प्रसाद गुप्त

नख–शिख वर्णन

1. केश वर्णन (79)
2. नासिका वर्णन (83)
3. अधर वर्णन (87)
4. अतिसरूप..... (94)
5. त्रिबली वर्णन (97)

25/01/20

इकाई–3 (क) सूरदास – सूरसागर सार : धीरेन्द्र वर्मा; (साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, जीरो रोड, इलाहाबाद–211003; अष्टम संस्करण सन् 1990)

पद संख्या– 25 (मेरो मन अनत .....) विनय तथा भक्ति

7 (जसोदा हरि पालने .....) गोकुल–लीला

18 (शोभित कर ....) गोकुल–लीला

141 (ऊधो मन माने ....) उद्धव–संदेश

1 (खेलत हरि निकसे .....) राधा–कृष्ण

158 (अति मलीन .....) उद्धव–संदेश

(ख) मीराबाई की पदावली (संपा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन; प्रयाग, बाइसवाँ संस्करण 2008 ई०)

पद संख्या – 5 (तनक हरि चितवाँ.....)

14 (आली री म्हारे.....)

19 (माई साँवरे रँग राँची .....)

22 (माई री म्हा नियाँ .....)

36 (पग बाँधा घूँघर्याँ ....)

70 (हेरी म्हा तो दरद् दिवाँणी ....)

इकाई–4. **गोस्वामी तुलसीदास** (श्रीरामचरितमानस, गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण 2052; चौहत्तरवाँ संस्करण)

(दोहा संख्या 26 से दोहा संख्या 31 तक)

पूँछ बुझाइ खोइ श्रम ..... भुजबल खल दल जीति।।

विनयपत्रिका (गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण संख्या 2055)

पद संख्या 105, 111, 162

कवितावली (गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण संख्या 2052; छत्तीसवाँ संस्करण)

– बालकांड – छंद संख्या–1

– अयोध्याकांड – छंद संख्या 22

– उत्तरकांड – छंद संख्या 96, 106

सहायक ग्रंथ :

- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत
- कबीर – संपा, विजयेंद्र स्नातक
- सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
- सूर : भक्ति, साधना और विरह – सुरेन्द्र नारायण यादव
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय
- तुलसी–काव्य–मीमांसा – उदयभानु सिंह
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक – श्याम मनोहर पाण्डेय
- सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
- मीरा : जीवन और काव्य – सी.एल. प्रभात
- आलोचना का नया पाठ : गोपेश्वर सिंह
- मीरा का काव्य : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
- राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य : कैलाश नारायण तिवारी
- मध्यकालीन कृष्ण 'काव्य की सौंदर्यचेतना' : पूरनचंद टंडन

सेमेस्टर–2

(2:1)

HCC-3 : हिन्दी साहित्यय का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

इकाई–1 : हिन्दी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिन्दी साहित्य : काल–विभाजन एवं नामकरण

इकाई–2 : आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य

इकाई–3 : भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति–आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :
  - (1) निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेमाश्रयी शाखा)
  - (2) सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

इकाई–4 : रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

- युगीन–पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य–प्रवृतियाँ
  - (1) रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
  - (2) रीतिमुक्त काव्य
  - (3) वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का अतीत – आचार्य विश्वनार्थ प्रसाद मिश्र
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपा, नगेन्द्र
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय
- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेश गर्ग
- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा, अनिल राय

सेमेस्टर–2

(2:2)

HCC-4 : हिन्दी कविता (रीतिकालीन काव्य)

पाठ–सामग्री

इकाई–1 :

1. केशवदास – कविप्रिया (प्रिया प्रकाश, ला. भगवानदीन)

   छंद संख्या – तीसरा प्रभाव (1, 2, 4, 5)

   पाँचवाँ प्रभाव (1, 10)

   छठा प्रभाव (56, 66, 69)

2. रहीम (अब्दुर्रहीम खानखानाँ) – रहीम ग्रंथावली, संपादक : विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनीश

   दोहावली – छंद् संख्या 38, 49, 87, 126, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222

इकाई–2 :

3. बिहारी – बिहारी–रत्नाकर : प्रणेता श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर', शिवाला, वाराणसी

   छंद् संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347, 363, 388

इकाई–3 :

4. घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली) : संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्रः, वाणी वितान; बनारस–1

   सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54)

इकाई–4(क) :

5. भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

   छंद् संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512, 515

इकाई–4(ख) :

6. गिरिधर कविराय – गिरिधर कविराय ग्रंथावली; संपा, डॉ. किशोरीलाल गुप्त

   छंद् संख्या 11, 16, 36, 70, 89, 99

सहायक ग्रंथ :

- देव और उनकी कविता – नगेंद्र
- बिहार – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) – सं. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद ओर स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका – नगेंद्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीर प्रसाद सिन्हा
- भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
- हिन्दी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- हिन्दी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
- हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, भाग–6 – संपा, नगेंद्र
- द्विजदेव और उनका काव्य – अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
- घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- सनेह को मारग – हमरै बंधा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन

सेमेस्टर–3

(3:1)

HCC-5 : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई–1 :

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ, नवजागरण और भारतेंदु) नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेंदु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिन्दी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन–चेतना का उत्कर्ष

इकाई–2 :

- नाटक, निबंध और आलोचना
- कथा साहित्य
- नाटक
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
- आलोचना

इकाई–3 :

- छायावाद और उत्तर छायावद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

इकाई–4 :

- समकालीन कथा साहित्य : उपन्यास और कहानी
- आलोचना और अन्य गद्य–रूप
- असमिता विमर्श – दलित, स्त्री

सहायक ग्रंथ

- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
- भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

- आधुनिक साहित्य – नन्ददुलारे वाजपेयी
- छायावाद – नामवर सिंह
- तारसप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण) और दूसरा सप्तक की भूमिकाएँ– संपा, अज्ञेय
- हिन्दी नवगीत : उद्‌भव और विकास – राजेन्द्र गौतम
- समकालीन हिन्दी कविता – संपा, नगेन्द्र
- हिन्दी नाटक : नई परख – संपा, रमेश गौतम
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा

सेमेस्टर–3

(3:2)

HCC-6 : हिन्दी कविता (आधुनिक काल, छायावाद तक)

इकाई–1 :

1. मैथिलीशरण गुप्त

इकाई–2 :

2. जयशंकर प्रसाद

इकाई–3 :

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई–4 :

4. रामधारी सिंह दिनकर
5. सुभद्रा कुमारी चौहान

रचनाएँ :

1. **मैथिलीशरण गुप्त** – यशोधरा (चुने हुए अंश)
   - सिद्धार्थ
   - महाभिनिष्क्रमण
   - सखी वे मुझसे कहकर जाते ...5, 6, 7, 8, 9
   - अब कठोर, हो वज्रादपि 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14
   - मानिनि, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान
   - दीन न हो गोपी
2. **जयशंकर प्रसाद** – उठ–उठ री लघु, मधुप गुनगुना कर, तुम्हारी आँखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, अरी वरुणा की शांत कछार, ले चल मुझे भुलावा देकर, अशोक की चिंता।
3. **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** – संध्यासुन्दरी, बादल राग : छह, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधो न नाव, स्नेह निर्झर, वर दे, मैं अकेला/देखता हूँ आ रही मेरे जीवन की सांध्य बेला, दुरित दूर करो नाथ, अशरण हूँ गहो हाथ।

4. **रामधारी सिंह दिनकर** – 'रश्मिरथी' : तीसरे सर्ग से कृष्ण–कर्ण संवाद

5. **सुभद्राकुमारी चौहान**– ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो वसन्त, मुरझाया फूल, मेरे पथिक, झाँसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका।

सहायक ग्रंथ

- जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
- मैथिलीशरण गुप्त – पुनर्मूल्यांकन – नगेंद्र
- निराला की साहित्य–साधना – रामविलास शर्मा
- युगचारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
- हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – प्रेमशंकर
- मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल
- जयशंकर प्रसाद – प्रेमशंकर
- अनकहा निराला – आ. जानकीवल्लभ शास्त्री
- निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
- निराला काव्य की छवियाँ – नंदकिशोर नवल
- रामधारी सिंह दिनकर – विजयेंद्र नारायण सिंह
- छायावाद – नामवर सिंह
- त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – आ. जानकीवल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी कविता में बिंब–विधान – केदारनाथ सिंह
- दृष्टिपात – राजेन्द्र गौतम
- 'कल्पना' का 'उर्वशी'–विवाद – संपा, गोपेश्वर सिंह
- उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा

सेमेस्टर–3

(3:3)

HCC-7 : हिन्दी कहानी

इकाई–1 :

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात – प्रेमचंद
3. आकाश दीप – प्रसाद

इकाई–2 :

4. पाजेब – जैनेन्द्र कुमार
5. तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु
6. चीफ की दावत – भीष्म साहनी

इकाई–3 :

7. परिन्दे – निर्मल वर्मा
8. दोपहर का भोजन – अमरकांत
9. सिक्कला बदल गया – कृष्णा सोबती

इकाई–4 :

10. सदियों का पड़ाव – रामधारी सिंह दिवाकर
11. हिंगवा घाट में पानी रे – चन्द्रकिशोर जायसवाल
12. घुसपैठिये – ओमप्रकाश बाल्मीकि

सहायक ग्रंथ

- संकलित निबंध – नलिन विलोचन शर्मा
- 'एक दुनिया समानान्तर' – राजेन्द्र यादव
- 'कहानी : नई कहानी' – नामवर सिंह
- नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
- हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
- हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
- हिन्दी कहानी की रचना–प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव

- अपनी बात – भीष्म साहनी
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
- प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी
- कथावीथी – हरिमोहन भार्मा और राजेन्द्र गौतम
- हिन्दी कहानी का पहला दशक – संपा, भवदेव पाण्डेय
- हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
- हमसफरनामा – स्वयं प्रकाश
- समय और साहित्य – विजय मोहन सिंह
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी
- अलक्षित गौरव : रेणु – सुरेन्द्र नारायण यादव

सेमेस्टर–4

(4:1)

HCC-8 : भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई–1 :

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा (आचार्य भरतमुनि से पंडितराज जगन्नाथ तक)
2. काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन

इकाई–2

3. रस : स्वरूप और लक्षण, रस के अंग तथा रस के भेद
4. शब्द–शक्तियाँ
5. गुण एवं दोष : लक्षण और भेद

इकाई–3

6. अलंकार : लक्षण और भेद

   शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

   अर्थालंकार : उपमा, रूपक, अपहनुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति।

7. छन्द

(क) समवर्णिक – भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया (भेद सहित), घनाक्षरी।

(ख) सममात्रिक – उल्लाला, चौपाई, रोला, हरिगीतिका।

(ग) अर्द्ध–सममात्रिक – बरवै, दोहा, सोरठा

(घ) विषम सममात्रिक – कुंडलिया, छप्पय।

इकाई–4

8. काव्य–रूप : दृश्यकाव्य (रूपक) एवं उपरूपक, श्रव्यकाव्य : पद्य, गद्य, चम्पू, प्रबंध एवं मुक्तक

सहायक ग्रन्थ

- काव्य दर्पण – रामदहिन मिश्र
- रस मीमांसा – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- काव्य मीमांसा – ती.न. श्रीकण्ठैय्या

- रस–सिद्धांत – नगेन्द्र
- साहित्य–सहचर – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी
- काव्यतत्त्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
- सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय
- साहित्य–सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
- काव्य के तत्त्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
- काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
- साधारणीकरण और काव्यास्वाद – राजेन्द्र गौतम
- साहित्य का स्वरूप – नित्यानन्द तिवारी
- भारतीय आलोचनाशास्त्र – राजवंश सहाय 'हीरा'

सेमेस्टर–4

(4.2)

HCC-9 : हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)

इकाई–1 :

(क) अज्ञेय : कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, साम्राज्ञी का नैवेद्यदान, सांप––स्रोत : चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

(ख) नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, गुलाबी चूड़ियां, सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, ––स्रोत : प्रतिनिधि कविताएँ (नागार्जुन), संपा, नामवर सिंह; राजकमल, दिल्ली

इकाई–2 :

(क) रघुवीर सहाय : स्वाधीन व्यक्ति, अधिनायक, रामदास, आपकी हँसी ––स्रोत : रघुवीर सहाय रचनावली, भाग–1, संपा, सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

(ख) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में, स्रोत : यहां से देखो, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; पानी की प्रार्थना, समूहगान, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, स्रोत : तालस्ताँय और साइकिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

इकाई–3 :

(क) धूमिल : मोचीराम,––स्रोत : संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

(ख) शंभुनाथ सिंह : पगडंडी ––स्रोत : नवगीत अर्द्धशती, पराग प्रकाशन, दिल्ली; देश है हम राजधानी नहीं, पास आना मना दूर जाना मना, मन का आकाश उड़ा जा रहा ––स्रोत : वक्त की मीनार पर, पराग प्रकाशन दिल्ली

इकाई–4 :

(क) राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं, मारे जाएंगे, आदमी के बारे में, उसकी गृहस्थी (नेपथ्य में हंसी एवं दो पंक्तियों के बीच से)

(ख) सुरेन्द्र स्निग्ध – गुनिया का यौवन, लाल आफताब

सहायक ग्रन्थ

- कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
- नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
- आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

- समकालीन कविता का यथार्थ – परमानन्द श्रीवास्तव
- समकालीन काव्य–यात्रा – नन्दकिशोर नवल
- कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
- समकालीन हिन्दी कविता – रवींद्र भ्रमर
- उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
- सुन्दर का स्वप्न – अपूर्वानन्द
- समकालीनता और साहित्य – राजेश जोशी
- आधुनिक कविता–यात्रा – रामस्वरूप द्विवेदी
- अज्ञये साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन – केदार शर्मा
- हिन्दी नवगीत : उद्‌भव और विकास – राजेन्द्र गौतम
- हिन्दी नवगीत–युगीन संदर्भ – रामनारायण पटेल
- नयी कविता और उसका मूल्यांकन – सुरेशचंद्र सहल
- आलोचना का नया पाठ – गोपेश्वर सिंह
- नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
- छठवाँ दशक – विजयदेव नारायण साही

सेमेस्टर–4

(4.3)

HCC-10 : हिन्दी उपन्यास

इकाई–1 :	प्रेमचन्द	:	कर्मभूमि
इकाई–2 :	जैनेन्द्र	:	सुनीता
इकाई–3 :	नागार्जुन	:	बलचनमा
इकाई–4 :	रेणु	:	मैला आँचल

सहायक ग्रन्थ

- प्रेमचन्द : उपन्यास सम्बन्धी निबन्ध ('विविध प्रसंग भाग–3')
- प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा
- उपन्यास और लोकजीवन – रॉल्फ फॉक्स
- हिन्दी उपन्यास – संपा, भीष्म साहनी भगवती प्रसार निदारिया
- कथा समय में तीन हमसफर – निर्मला जैन
- हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- प्रेमचन्द : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान
- उपन्यास का उदय – ई.एम. फोस्टर
- विविध प्रसंग – प्रेमचन्द
- कलम का सिपाही – अमृत राय
- कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
- आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा
- प्रेमचन्द – संपा, डॉ. सत्येन्द्र
- सृजनशीलता का संकट – नित्यानन्द तिवारी
- हिन्दी उपन्यास – संपा, नामवर सिंह
- आलोचना की सामाजिक – मैनेजर पाण्डेय
- कृतिकार और कर्तृत्व – सुरेन्द्र नारायण यादव
- संक्रमण और रेणु की औपन्यासिक नारियाँ – सुरेन्द्र नारायण यादव
- अलक्षित गौरव : रेणु – सुरेन्द्र नारायण यादव

सेमेस्टर–5

(5.1)

HCC-11 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई–1 :

(क) **अरस्तू** – अनुकरण–संबंधी मान्यता, विरेचन, त्रासदी विवेचन

(ख) **लोंजाइनस** – उदात्त–संबंधी मान्यता

इकाई–2 :

(क) **कॉलरिज**– कविता और काव्य–भाषा संबंधी मान्यता, कल्पना–सिद्धांत

(ख) **टी.एस. इलियट** – परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह–संबंध

इकाई–3 :

सामान्य परिचय : स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद

इकाई–4 :

बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडम्बना, फैंटेसी, मिथक

सहायक ग्रन्थ :

- साहित्य सिद्धान्त – रामअवध द्विवेदी
- साहित्य सिद्धान्त – रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
- हिन्दी साहित्य कोश – संपा, धीरेन्द्र वर्मा
- चिन्तामणि – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आस्था के चरण – नगेंद्र
- कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
- पाश्चात्य साहित्य–चिंतन – निर्मला जैन
- हिन्दी आलोचना के बीच शब्द – बच्चन सिंह
- एक सहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध
- आलोचना से आगे – सुधीश पचौरी
- मिथकीय अवधारणा और यथार्थ – रमेश गौतम

सेमेस्टर–5

(5.2)

HCC-12 : हिन्दी नाटक / एकांकी

इकाई–1	:	भारत दुर्दशा	–	भारतेन्दु
इकाई–2	:	ध्रुवस्वामिनी	–	जयशंकर प्रसाद
इकाई–3	:	जगदीशचन्द्र माथुर	–	कोणार्क
इकाई–4	:	दीपदान	–	रामकुमार वर्मा
		स्ट्राइक	–	भुवनेश्वर
		सूखी डाली	–	उपेन्द्रनाथ अश्क
		तीन अपाहिज	–	विपिन कुमार अग्रवाल

सहायक ग्रन्थ :

- नाटककार भारतेन्दु की रंग–परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – संपा, नेमिचन्द जैन
- हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
- हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
- हिन्दी के प्रतीक नाटक – रमेश गौतम
- हिन्दी नाटकों में विद्रोह की परम्परा – किरणचंद भार्मा
- जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही
- प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
- नई रंगचेतना और हिन्दी नाटककार – जयदेव तनेजा
- नई रंगचेतना और बकरी – कुसुम लता
- एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र

सेमेस्टर–6

(6.1)

HCC-13 : हिन्दी आलोचना

इकाई–1 : हिन्दी आलोचना की परम्परा का विकास भारतेन्दु युग – बालमुकुन्द गुप्त तक

इकाई–2 : द्विवेदीयुगीन आलोचना के पाठों का अध्ययन : महावीरप्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल काव्य में लोकमंगल, प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

इकाई–3 : छायावादयुगीन आलोचना

प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद, हजारीप्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ, नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएँ

इकाई–4 : रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य में सामन्त–विरोधी मूल्य, नामवर सिंह – कहानी : नई और पुरानी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, नई कविता का आत्मसंघर्ष

सहायक ग्रन्थ :

- चिन्तामणि – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आस्था के चरण – नगेन्द्र
- कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
- पाश्चात्य साहित्य–चिंतन – निर्मला जैन
- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
- एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध
- आलोचना से आगे – सुधीश पचौरी
- हिन्दी गद्य, विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह
- हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
- आलोचना का नया पाठ – गोपेश्वर सिंह
- संकलित निबन्ध – नलिन विलोचन शर्मा
- हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल
- आस्था और सौन्दर्य – रामविलास शर्मा

सेमेस्टर–6

(6.2)

HCC-14 : हिन्दी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएँ

इकाई–1 : निबन्ध

बालकृष्ण भट्ट – जुबान

बालमुकुंद गुप्त – मेले का ऊँट, राजकमल प्रकाशन, 1988

सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता, अध्यापक पूर्ण सिंह निबंधावली, सं. रामअवध शास्त्री, कंचन पब्लिकेशन, 198/58 रमेश मार्केट, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली–06 (1993)

रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, चिंतामणि

इकाई–2 : निबंध

जैनेन्द्र – साहित्य की कसौटी

हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज

विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

हरिशंकर परसाई – वैष्णव की फिसलन

कुबेरनाथ राय – रस आखेटक

इकाई–3 : जीवनी/आत्मकथा

फणीश्वर नाथ रेणु– उत्तर नेहरू चरितम्

रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्यक साधना' भाग–1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय

इकाई–4 : संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा–वृत्तांत

संस्मरण : नेपाली क्रान्ति कथा – फणीश्वर नाथ रेणु

रेखाचित्र : सुभान खाँ – रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से

यात्रा वृत्तांत : राहुल सांकृत्यायन अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप–विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिन्दी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल भसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं.– निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा

CBCS

बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी

G. Elective (हिन्दी सामान्य ऐच्छिक) HGEC

सेमेस्टर–1

(1.3) क एवं ख में से कोई एक

(क) लोकप्रिय साहित्य

इकाई–1 : लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य की अवधारणा

इकाई–2 : हिन्दी के तिलस्मी और जासूसी साहित्य का सामाजिक आशय

इकाई–3 : भावनात्मक उपन्यास और गुलशन नन्दा, जनप्रिय उपन्यास और यथार्थबोध– इब्ने शफी बीए. जनप्रिय लेखक ओमप्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र मोहन पाठक और वेदप्रकाश शर्मा

इकाई–4 : कविसम्मेलनी कविता : स्वरूप एवं प्रमुख लोकप्रिय कवि – बेढब बनारसी, काका हाथरसी से आज तक के लोकप्रिय गीतकार और हास्यकवि

सहायक ग्रन्थ :

- आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
- समकालीन कविता और सौंदर्यबोध – रोहिताश्व
- 'पाखी' पत्रिका का अंक – अप्रैल, 2015
- 'उपन्यास और प्रतिरोध' ['अभिनव भारती' (अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध–पत्रिका का विशेषांक वर्ष–2008)]
- तिलस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद–विरोधी चरित्र – प्रदीप सक्सेना
- Popular Literature : A History and Guide by Victor E. Neuburg (The Woburn Press, London, 1977)

अथवा

(ख) हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन

इकाई–1 : कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धान्तिकी

इकाई–2 : हिन्दी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई–3 : सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4 : नयी तकनीक और सिनेमा – सम्भावनाएँ और चुनौतियाँ
(संदर्भ : मुगले आज़म, मदर इंडिया, दीवार, पीके)

सहायक ग्रन्थ :

- फिल्म निदेशन : कुलदीप सिन्हा
- हिन्दी सिनेमा का इतिहास – मनहोन चड्ढा
- नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
- भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
- सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाशन विभाग
- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रह्लाद अग्रवाद
- राजकपूर : आधी हकीकत, आधा फसाना – प्रह्लाद अग्रवाल
- सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
- मोहम्मद रफी : पैगम्बर–ए–मौसिकी – जिया इमाम
- नौशाद : ज़र्रा जो आफताब बना – ज़िया इमाम
- सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर से बातचीत – नसरीन मुन्नी कबीर
- गुरुदत्त – विमल मित्र
- सत्यजीत रे – महेन्द्र मिश्र
- कैमरा मेरी तीसरी आँख – राधू कर्माकर
- धुनों की यात्रा – पंकज राग

सेमेस्टर–2

(2.3) **क एवं ख में से कोई एक**

(क) रचनात्मक लेखन

इकाई–1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य, बाललेखन–प्रौढ़लेखन, मुद्रित–इलेक्ट्रॉनिक आदि।

इकाई–2 : **(क) रचनात्मक लेख : भाषा–संदर्भ**

अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ–मीमांसा, शब्द के प्राक्–प्रयोग, नव्य–प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि

भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक–अनौपचारिक, मौखिक–लिखित, मानक

भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग–सापेक्ष, समूह–सापेक्ष

(ख) रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण और वक्रताएँ

इकाई–3 : **विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन**

(क) कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

(ख) कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

(ग) नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

(घ) विविध गद्य–विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि

(ङ) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

इकाई–4 : **सूचना–तंत्र के लिए लेखन**

प्रिंट माध्यम : फीचर–लेखन, यात्रा–वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा आदि

इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन।

सहायक ग्रन्थ :

- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश
- शैली – रामचंद्र मिश्र
- रचनात्मक लेखन – संपा, रमेश गौतम
- कला की जरूरत – अर्न्स्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
- साहित्य का सौंदर्यचिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनशीलता और सौंदर्यबोध – निशा अग्रवाल
- कविता–रचना–प्रक्रिया – कुमार विमल
- समकालीन कविता में छंद – अज्ञेय
- कविता से साक्षात्कार – मलयज
- कविता क्या है – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी
- हिन्दी साहित्य का छंद–विवेचन – गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
- अलंकार–धारणा : विकास और विश्लेषण – शोभाकांत मिश्र
- उपन्यास की संरचना – गोपाल राय
- उपन्यास सृजन की समस्याएँ – शमशेरसिंह नरूला
- हिन्दी कहानी का शैली विज्ञान – बैकुंठनाथ ठाकुर
- रेडिया लेखन – मधुकर गंगाधर
- पत्रकारी लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर
- सर्जका का मन – नन्दकिशोर आचार्य
- शब्द–शक्ति विवेचन – रामलखन शुक्ल
- राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन – एच.आर.एफ. कीटिंग

अथवा

(ख) पटकथा तथा संवाद लेखन

इकाई–1 : पटकथा अवधारणा और स्वरूप

इकाई–2 : फीचर फिल्म, टी.वी. धारावाहिक, कहानी एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

इकाई–3 : संवाद सैद्धान्तिकी और संरचना

इकाई–4 : फीचर फिल्म, टी.वी. धारावाहिक, कहानी एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद–लेखन

सहायक ग्रन्थ :

- पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी
- टेलीविजन लेखन – असगर वज़ाहत, प्रभात रंजन
- कथा–पटकथा – मन्नू भंडारी
- रेडिया लेखन – मधुकर गंगाधर
- फीचर लेखन – मनोहर प्रभाकर

सेमेस्टर–3

(3.4) क एवं ख में से कोई एक

(क) हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद

इकाई–1 :

1. भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्त्व
2. अनुवाद का स्वरूप (Nature of Translation)
3. अनुवाद के उपकरण – कोश ग्रन्थ
4. अनुवाद–प्रक्रिया

इकाई–2 :

1. प्रयुक्ति की अवधारणा, विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ
3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

इकाई–3 : अनुवाद व्यवहार – 1(अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से अंग्रेजी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

इकाई–4 : अनुवाद व्यवहार – 2(अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से अंग्रेजी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. बैंकिंग अनुवाद
2. विधि अनुवाद

सहायक ग्रन्थ :

- डॉ. नगेंद्र – अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग
- रामालु रेड्डी – अनुवाद के सिद्धांत
- हेमचंद्र पांडे – अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)
- हरि बाबू कंसर – कार्यालय प्रदीपिका

- विजय कुमार मल्होत्रा – कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- सुरेश सिंहल – सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
- नगीन चंद्र सहगल – काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
- विमलेश कांति वर्मा (संपा.) – कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली
- विमलेश कांति वर्मा – अनुवाद और तत्काल भाषांतरण
- NIDA, E – The Theory & Practice of Translation
- NIDA, E – Language, Structure & Translation
- Baker, Mona – Routledge Encyclopedia of Translation
- House, Juliance – Translation Evaluation
- Wilks, Vorick – Machine Translation : Its Scope & Limits
- Baker, H. – Translation & Interpreting
- Mossop, B – Revising and Editing for translators
- Munday, J – Introducing Translation Studies : Theories and Applications
- Munday, J – The Routledge Companion to Translation Studies
- Raghubir – Comprehensive English- Hindi Dictionary
- R.S. Mc Gregor – Oxford Hindi-English Disctionary
- Hardeo Bahari – English-Hindi Dictionary

अथवा

(ख) भाषा और समाज

इकाई–1 : भाषा, समाजा और संस्कृति

- भाषा और समाज का अतर्संबध
- भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार
- स्माज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
- भाषा का समाजशास्त्र

इकाई–2 : भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय

- भाषा और समुदाय

- भाषा और जाति
- भाषा और जातीयता
- द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन व क्रियोल)

इकाई–3 : **भाषा और सामाजिक व्यवहार**

- भाषा और वर्ग
- व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग
- भाषाई अस्मिता और जेण्डर
- भाषा और संस्कृति

इकाई–4 : **भाषा सर्वेक्षण**

- भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
- भाषा नमूनों का सर्वेक्षण
- भाषा नमूनों का विश्लेषण
- भाषा के नवीन प्रयोग

<u>सहाकय ग्रन्थ</u> :

- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- हिन्दी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
- भाषा का संसार – दिलीप सिंह
- आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
- Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society – Peter Trudgill
- Socio Linguistics – R.A. Hudson
- An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
- The Shadow of Language – George Yule

सेमेस्टर–4

(4.4) क एवं ख में से कोई एक

(क) हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य

इकाई–1 : वैश्वीकरण, भाषा, समाज और साहित्य

इकाई–2 : हिन्दी का विश्व–संदर्भ, संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी

इकाई–3 : हिन्दी सिनेमा और हिन्दी की दुनिया : सांस्कृतिक संवाद व सम्प्रेषण

इकाई–4 : अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन : जरूरत और भूमिका, 21वीं सदी में हिन्दी की वैश्विक चुनौतियाँ

सहायक ग्रन्थ :

- प्रवासी हिन्दी साहित्य – कमल किशोर गोयन्का
- मॉरीशस का हिन्दी साहित्य – वीर सिंह, जागा सिह
- मॉरीशस का हिन्दी साहित्य – मनीश्वर चिंतामणि
- सूरीनाम हिन्दुस्तानी – भावना सक्सेना
- फीजी का सर्जनात्मक साहित्य – विमलेश कांति वर्मा
- सूरीनाम का सर्जनात्मक हिन्दी साहित्य – विमलेश कांति वर्मा
- फीजी में हिन्दी : स्वरूप और विकास – विमलेश कांति वर्मा

अथवा

(ख) भाषा शिक्षण

इकाई–1 : भाषा–शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण, अर्जन और अधिगम

इकाई–2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ (जे.एस. ब्रूनर, वाईगोत्स्की, हिलगार्ड, पियाजे)

- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

इकाई–3 : **हिन्दी शिक्षण**

- भाषा कौशल–श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन
- हिन्दी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण (स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा)
- द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण
- विदेशी भाषा के रूप में भारत तथा विदेशों में हिन्दी भाषा शिक्षण

इकाई–4 : **भाषा परीक्षण और मूल्यांकन**

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

<u>सहायक ग्रन्थ</u> :

- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा–शिक्षण के कुछ पक्ष – संपा, अमर बहादुर सिंह
- भाषा–शिक्षण तथा भाषाविज्ञान – संपा, ब्रजेश्वर वर्मा
- भाषा–शिक्षण – लक्ष्मीनारायण शर्मा
- हिन्दी शिक्षण : अतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य – सपा, सतीश कुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
- हिन्दी भाषा–शिक्षण – भोलानाथ तिवारी
- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – संपा, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी
- Focus Group Papers on Teaching of Indian Languages : NCERT, 2005

हिन्दी विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम HDSEC

सेमेस्टर–5 : 1 एवं 2

1.(क), 1.(ख) एवं 1. (ग) में से कोई एक

1. (क) हिन्दी की मौखिक और लोकसाहित्य परम्परा

निर्देश : सैद्धांतिक बिन्दुओं का सामान्य परिचय अपेक्षित है। लोकगीतों की प्रस्तुतियाँ और लोकनाट्य के प्रदर्शनों को सुनने–देखने का अवसर छात्र–छात्राओं के लिए उपयोगी होगी।

इकाई–1 : **मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध।**

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहलियाँ–बुझौवल और मुहावरे हिन्दी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक साहित्य और समाज।

इकाई–2 : **लोकगीत : वाचिक और मुद्रित**

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी : भोजपुरी संस्कार गीत – श्री हंस कुमार तिवारी – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृष्ठ–8, गीत संख्या–4

सोहर अवधि – हिन्दी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय – पृष्ठ 110, 111 (साहित्य भवन, इलाहाबाद)

यज्ञोपवीत – भारतीय लोक–साहित्य, परम्परा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88–89

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116

ऋतुसंबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

पाठ : हिन्दी प्रदेश के लोकगीत : कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 205

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाला यादव, पृष्ठ 231

वाचिक कविता : भोजपुरी : पं. विद्यानिवास मिश्र, पृष्ठ 51

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत – हिन्दी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ 134, 135

जँतसारी : भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य परम्परा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, पृष्ठ 130, 141

विविध गीत : घुघुति – कुमाउंनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी, पृष्ठ 802, 803.

इकाई–3 : **लोककथाएं एवं लोकगाथाएं** विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाओं एवं लोकगाथाओं आल्हा, लोरिक, सारंगा–सदावृक्ष, बिहुला

राजस्थानी लोक कथा नं. 2, हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10, 11

सोलहवाँ भाग

मालवी लोक कथा नं. 2, हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461–462

अवधि लोक कथा नं. 2, हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187–188

इकाई–4 : **लोकनाट्य** : विद्या का परचियन, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला; रासलीला मालवा का नाच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटकी, भांड, रासलीला; बिहार–बिदेसिया; हरियाणा–सांग (क) पाठ : संक्षिप्त पद्मावत सांग रागिनी संख्या 1, 3, 6, 7, 8, 13, 14, 17, 18, 19, 28, 34, 37, 43, 58, 60, 67 (लखमीचद ग्रथावली, स. प्रो. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, (ख) बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

सहायक ग्रन्थ

- हिन्दी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव
- मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी
- मालवी लोक–साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
- रसमंजरी – सुचिता रामदीन; महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस

- हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास – पं. राहुल सांकृत्यायन; सोलहवाँ भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी – पं. विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा
- कविता कौमुदी : ग्रामगीत – पं. रामनरेश त्रिपाठी
- लखमीचंद का काव्य–वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा
- चीनी लोककथाएँ – अनिल राय

अथवा

1. (ख) अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य

इकाई–1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदलोन, फुले और अम्बेडकर

(ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) रैडिकल, मॉर्क्सवादी, उदारवादी आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

(ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आदोलन जल, जगल, जमीन और पहचान का सवाल

इकाई–2 : विमर्शमूलक कथा साहित्य :

1. ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम
3. हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158–167
4. नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

इकाई–3 : विमर्शमूलक कविता :

(क) दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहॉ तक पडे रहेंगे), नगीना सिंह (कितनी व्यथा), माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

(ख) **स्त्री कविता** : 1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा 2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा 3. सविता सिंह : 'मैं किसकी औरत हूँ?'

इकाई–4 : **विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :**

1. प्रभा खेतान, पृष्ठ 28–42 : अन्या से अनन्या तक
2. तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ; पृष्ठ संख्या 125 से 135)
3. महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न'

सहायक ग्रन्थ :

- सिमोन द बोउवा – स्त्री उपेक्षिता
- गुलामगीरी – ज्योतिबा फुले
- अम्बेडकर रचनावली – भाग–1
- प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा – सुधा सिंह
- मूक नायक, बहिष्कृत भारत – अम्बेडकर
- शिकंजे का दर्द – सुशीला टांकभौरे
- जूठन – ओमप्रकाश बाल्मीकि
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरण कुमार लिंबाले
- दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश बाल्मीकि
- दलित आंदोलन का इतिहास – मोहनदास नैमिशराय
- नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता
- हिन्दी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ – रजत रानी 'मीनू'
- औरत होने की सजा – अरविंद जैन
- आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

अथवा

1. (ग) भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

इकाई–1 : नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्त्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध, दृश्य और श्रव्य तत्त्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

इकाई–2 : रंगकर्म : नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म, नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस–सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन–सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई–3 : पश्चिमी नाट्यभेद – त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय), नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस–सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन–सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

इकाई–4 : प्राचीन भारतीय नाट्यरूप – रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय), आधुनिक भारतीय नाट्यरूप – एकांकी, काव्य नाटक, रेडियो नाटक एवं नुक्कड नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

सहायक ग्रन्थ :

- रंगमंच – बलवंत गार्गी
- रगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक
- रंगदर्शन – नेमिचंद जैन
- रंगमंच देखना और जानना – लक्ष्मीनारायण लाल
- भरत और भारतीय नाट्यकला – सुरेन्द्रनाथ दीक्षित
- नाट्यशास्त्र विश्वकोष – राधावल्लभ त्रिपाठी
- रंगकर्म – वीरेन्द्र नारायण
- रंग–स्थापत्य – एच.वी. शर्मा
- भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी

सेमेस्टर–5

(5.4)

2. (क) हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

इकाई–1 : भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा, महत्त्व, भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि और वर्ण
- हिन्दी की ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएँ)

इकाई–2 : शब्द–विचार

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द–निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

इकाई–3 : पद–विचार

- शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्दों की रूप–रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अव्यय)

इकाई–4 : वाक्य–विचार

- वाक्य की परिभाषा और उसके अग
- वाक्य के भेद (रचना एव अर्थ के आधार पर)
- वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम–चिह्न)
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
- भारतीय पुरालिपि – डॉ. राजबलि पाण्डेय
- हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
- लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी
- A Grammar of the Hindi Language – Kellog
- Hindi Linguistics – R.N. Shrivastava
- हिन्दी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी
- हिन्दी व्याकरण – एन.सी.ई.आर.टी.

अथवा

2. (ख) कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश

इकाई–1 : कोश परिचय

- अर्थ और परिभाषा
- उपयोगिता और महत्त्व
- हिन्दी कोश के उपयोग के नियम
  (वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ, अनुस्वार एवं अनुनासिक, संयुक्त व्यंजन वर्ण)

इकाई–2 : कोश निर्माण

- शब्द संकलन एवं चयन
- प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)
- शब्द का अर्थ एवं विस्तार
- शब्द प्रयुक्तियाँ

इकाई–3 : कोश के प्रकार

- कोश : वर्गीकरण के आधार

- विषय के आधार पर (भूगोल कोश, इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश आदि)
- भाषा के आधार पर (एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)
- आकार के आधार पर (सामान्य और विश्वकोश)
- पारिभाषिक शब्दावली

इकाई–4 : **प्रमुख कोशों का परिचय**

- हिन्दी–हिन्दी शब्दकोश – बृहत् हिन्दी शब्दाकोश, ज्ञानमंडल
- अंग्रेजी–हिन्दी शब्दाकोश – फादर कामिल बुल्के
- हिन्दी–अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र चतुर्वेदी
- विश्वकोश – हिन्दी शब्दसागर – नागरी प्रचारिणी सभा
- ई–कोश

<u>सहायक ग्रन्थ</u> :

- कोश विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
- हिन्दी कोश रचना, प्रकार और रूप – रामचंद्र वर्मा
- हिन्दी कोश साहित्य – अचलानंद जखमोला
- हिन्दी शब्द सागर – नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग
- हिन्दी साहित्य कोश – धीरेंद्र वर्मा
- कोश विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग – राम आधार सिंह
- कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग – त्रिभुवननाथ शुक्ल
- Lexicography : An Introduction – Howarel Jackson
- भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा, अंक 93, जनवरी–मार्च, 2009
- नवीन कोश बनाम प्राचीन कोश – पुष्पलता तनेजा, 'भाषा' हिन्दी पत्रिका में लेख
- वेब पता–
  - www.archive.org (hindishabdsagar)
  - www.britannika.com
  - www.e.vikipedia.org
  - www.encyclopedia.centre.com
  - www.culturepedia.com

अथवा

2. (ग) भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई–1 : **भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक**

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता

विविधता में एकता के अंतःसूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतरसंबंध

भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार–तत्त्व

भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

इकाई–2 : **भारतीय साहित्य का परिचय**

वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य

प्राचीन तमिल साहित्य

इकाई–3 : **भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय**

आधुनिकता–पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिन्दी

इकाई–4 : **भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय**

आधुनिक भारतीय साहित्य, भारतीय साहित्य के प्रमुख आंदोलन – भक्ति आंदोलन, नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन, स्वाधीनता आंदोलन, स्वातत्र्योतर भारतीय साहित्य, उत्तर आधुनिक संदर्भ

सहायक ग्रन्थ :

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – संपा. विमलेशकांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली

- तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
- भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – संपा, सतीश कुमार रोहरा
- भारतीय भाषा साहित्य – विभूति मिश्र

सेमेस्टर–6 : 1 एवं 2

(6.3)

1.क, ख एवं ग में से कोई एक

1. (क) लोकनाट्य

इकाई–1 : लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और इतिहास
(प्रमुख रूपों का परिचय एवं पाठ) लोकनाट्य रामलीला, रासलीला, सांग, ख्याल, माच, बिदेसिया एवं नौटंकी – सुल्ताना डाकू

इकाई–2 : बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

इकाई–3 : सांग – लखमीचंद

इकाई–4 : माच – गुरु बाल मुकुंद

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, पं. राहुल साकृत्यायन, सोलहवाँ भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी – पं. विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा
- लखमीचंद का काव्य–वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिन्दी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा
- हरियाणा की लोकनाट्य परम्परा

अथवा

1. (ख) हिन्दी की भाषिक विविधताएँ

इकाई–1 :

(क) वाचिक हिन्दी के क्षेत्रीय रूप – बिहारी, बम्बइया, कलकतिया, मद्रासी, पहाड़ी साहित्य, सिनेमा, नाटक और मीडिया मे क्षेत्रीय हिन्दी का प्रयोग।

(ख) साहित्यिक भाषा के रूप में हिन्दी की विविधता – आरम्भिक हिन्दी कविता (कबीर, अमीर खुसरो), दक्कनी हिन्दी, उर्दू शायरी और गद्य, आधुनिक साहित्यिक हिन्दी।

इकाई–2 :

(क) कबीर – हमन है इश्क मस्ताना, अमीर खुसरो की मुकरियाँ

(ख) वली दकनी – किया मुझ इश्क ने जालिम कूँ आब आहिस्ता–आहिस्ता कि
आतिश गुल कूँ करती है गुलाब आहिस्ता–आहिस्ता।
वफादारी ने दिलबर की बुझाया आशि–ए–गम कूँ,
कि गर्मी दफ्अ करता है, गुलाब आहिस्ता–आहिस्ता
अजब कुछ लुरु रखता है शब–ए–खल्वित में गुलरू सूँ,
खिताब आहिस्ता–आहिस्ता, जवाब आहिस्ता–आहिस्ता
मेरे दिल कूँ किया बेखुद तेरी अंखियों ने आखरि कूँ,
कि ज्यूँ बेहोश करती है शराब आहिस्ता–आहिस्ता
हुआ तुझ इश्क सूँ ऐ आतिशीं रू दिल मिला पानी,
कि ज्यूँ गलता है आदिश सूँ गुलाब आहिस्ता–आहिस्ता
अदा–ओ–नाज सूँ आता है वो रौशन जबीं घर सूँ,
कि ज्यूँ मश्रिक सूँ निकले आफताब आहिस्ता–आहिस्ता
'वली' मुझ दिल में आता है खयाल–ए–यार–ए– बेपरवाह,
कि ज्यूँ अंखियां में आता है ख्वाब आहिस्ता–आहिस्ता।

इकाई–3 : (क) बनारसीदास और अर्द्धकथानक
(ख) गालिब की शायरी और उनके खतूत

इकाई–4 : (क) इंशा अंशा अल्ला खां – रानी केतकी की कहानी
(ख) फणीश्वरनाथ रेणु – पंचलैट

<u>सहाकय ग्रन्थ</u> :

- हिन्दी भाषा – किशोरीदास वाजपेयी
- उर्दू का आरम्भिक युग – शम्सुरहमान फारुकी

- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुर

अथवा

1. (ग) भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

इकाई–1 : – वाल्मीकि – 'सप्तपर्णा'; रामकाव्य का जन्म; पृष्ठ–115–119; में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद कालिदास – 'उत्तरमेघ'; नागार्जुन की चुनी हुई रचनाएँ; पृ. 345–349; छंद सं.22 से 27, 37, 47; भगवतशरण उपाध्याय/नागार्जुन–कृत अनुवाद

इकाई–2. (क) नामदेव – साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ

मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना – साहित्य अकादमी

(ख) लल द्यद् – भाषा, साहित्य और संस्कृति– विमलेश कांति वर्मा

कश्मीरी साहित्य का इतिहास; पृ. 30–44; शशि शेखर तोशखानी; जे एण्ड के अमदामी ऑफ आर्ट कल्चर एण्ड लैंग्वेजद्ध; नहर मार्ग, जम्मू; प्रथम संस्करण 1985;

- मुझ पर वे चाहे इसे .....
- गुरु ने मुझसे कहा .....
- हम ही थे .....
- पिया को खोजने .....
- देव फिर पूजा कैसी .....
- यह देवता भी पत्थ ही है .....
- मै सीधे पथ से ही आयी .....

इकाई–3 : (क) रवींद्रनाथ टैगोर गीतांजली के कुछ अंश साहित्य अकादमी के 'रवींद्र रचना संचयन' से; साहित्य अकादमी; प्रकाशन वर्ष, 1987; भारत तीर्थ, धूलि मंदिर; पृ.131–155

(ख) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ; साहित्य अकादमी; संस्करण 1983; 'स्वतंत्रता का गान' पृ. 46–47

(ग) वल्लतोल की कविताएँ; साहित्य अकादमी, संस्करण 1959; 'क्षमा प्रार्थना'; पृ. 82, 83, 84

इकाई–4 : (क) उपन्यास–अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय'; संस्करण 39; वर्ष 2012; भारतीय ज्ञानपीठ; प्रथम खण्ड (कण); पृ. 19–117

(ख) **जीवनी–अशं** : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब'; पृ. 95–107

(ग) **नाटक** : हयवदन; गिरीश कर्नाड; राधाकृष्ण प्रकाशन; संस्करण97; पृ. 17–73

(घ) **कहानी** : तक्शी शिवशंकर पिल्लै–खून का रिश्ता (मलयालम कहानियाँ) भारतीय शिखर कथा कोश, संपा, कमलेश्वर

सहायक ग्रन्थ :

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति – संपा, विमलेशकांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य का इतिहास – .के. परमेश्वरन नायर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली
- तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
- भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – संपा. सतीश कुमार रेहरा

सेमेस्टर–6

(6.4) 2.क, ख एवं ग में से कोई एक

2. (क) शोध–प्रविधि

इकाई–1 : शोध प्रविधि – स्वरूप परिचय
शोध से अभिप्राय – स्वरूप एवं विशेषताएँ
हिन्दी में शोध का आरंभ

इकाई–2 : शोध के क्षेत्र
शोध के प्रकार
साहित्यिक शोध की विशेषताएँ

इकाई–3 : शोध और विषय–चयन
शोध और तथ्य–विश्लेषण
शोध और निष्कर्ष

इकाई–4 : शोध–संबंधी समस्याएँ
एक अच्छे शोधार्थी के गुण
हिन्दी में शोध की दशा और दिशा

सहायक ग्रन्थ :

- अनुसंधान का स्वरूप – सावित्री सिन्हा
- अनुसंधान का प्रक्रिया – सावित्री सिन्हा / विजयेन्द्र स्नातक
- शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा
- साहित्य समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
- राइटिंग इन सोसाइटी – रेमंड विलयम्स
- संरचनात्मक शैली विज्ञान – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर – डायन लौरेंसन / एलेन स्विंगवुड

अथवा

2. (ख) अवधारणात्मक साहित्यिक पद

इकाई–1 : शब्द–शक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, अलंकार, छंद, उपमा, रूपक

इकाई–2 : रस और रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक

इकाई–3 : शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मानववाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, जादुई यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद

इकाई–4 : विरेचन, त्रासदी, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तर–आधुनिकता, निबंध, कहानी, उपन्यास

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी आलोचना के बीच–शब्द – बच्चन सिंह
- हिन्दी आलाचना कोश – अमरनाथ
- मानविकी पारिभाषिक शब्दकोश – संपा, डॉ. नगेंद्र
- लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ – जबरीमल्ल पारख
- की वर्ड्स – विलियम रेमण्ड
- ए. डिक्शनरी ऑफ लिट्रेरी टर्म्स – जे.टी. शिप्ले
- श्रस–मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
- पारिभाषिक कलाकोश – रूपनारायण माथम

अथवा

2. (ग) हिन्दी रंगमंच

इकाई–1 : (क) पारंपारिक रंगमंच

(रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, माच, ख्याल, स्वांग का सामान्य परिचय)

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन–परंपरा और आधुनिक रंगमंच

इकाई–2 : हिन्दी रंगमंच की विकास–यात्रा

(क) स्वतंत्रतापूर्व : परसी, थिएटर, भारतेंदु युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर तथा इप्टा

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच : रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियाँ, राष्ट्री नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली

रंगमंडल भारत भवन, भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ

इकाई–3 : आधुनिक हिन्दी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध (स्टाइलाइड), यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक–शैली

इकाई–4 : प्रमुख रंग व्यतिव और उनकी रंगदृष्टि : श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, इब्राहिम अल्काजी, सुरेश अवस्थी, ब.व. कारंत, हबीब तनवीर, लखमीचंद एवं भिखारी ठाकुर; किसी प्रस्तुति (हाल ही में प्रस्तुत) की रंगमंचीय समीक्षा

<u>सहायक ग्रन्थ</u> :

- पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर
- भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात
- परसी हिन्दी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
- नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
- समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच – नगेंद्र मोहन
- पहला रंग – देवेंद्र राज अंकुर
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन
- लखमीचंद का काव्य–वैभव– हरिचन्द्र बंधु
- भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु – भगवत प्रसाद द्विवेदी
- कंटेम्प्ररी इंडियन थिएटर : इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी
- थिएटर्स ऑफ इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाड़कर

हिन्दी कौशल संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम

HSEC

सेमेस्टर–3 : क, ख, ग एवं घ में से कोई एक

3. (क) विज्ञापन और हिन्दी भाषा

इकाई–1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

- विज्ञापन : अर्थ व परिभाषा
- विज्ञापन का महत्त्व
- विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड–निर्माण
- विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

इकाई–2 : विज्ञापन : विविध माध्यम

- सामान्य परिचय
- विज्ञापन माध्यम का चयन
- प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन

इकाई–3 : विज्ञापन की भाषा

- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप
- विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे–लोकोक्तियाँ, भाषा संकर)
- हिन्दी विज्ञापनों की भाषा

इकाई–4 : विज्ञापन–निर्माण का अभ्यास

- प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन–निर्माण
- रेडिया जिंगल लेखन
- टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

सहायक ग्रन्थ :

- जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
- जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी
- डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

- ब्रेक के बाद – सुधीश पचौरी
- मीडिया की भाषा – वसुधा गाडगिल
- विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
- विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी
- संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य–बोध – कृष्ण कुमार रत्तू

वेबलिंक :

- www.adbrands.net
- www.afaqs.com
- www.adgully.com
- www.cnbe.com
- www.exchange4media.com

3. (ख) कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा

इकाई–1 : कम्प्यूटर का विकास और हिन्दी

- कम्प्यूटर का परिचय और विकास
- कम्प्यूटर में हिन्दी का आरम्भ एव विकास
- हिन्दी के विविध फॉन्ट
- कम्प्यूटर में हिन्दी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई–2 : हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इंटरनेट पर हिन्दी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा
- हिन्दी और वेब डिजाइनिंग
- हिन्दी की वेबसाइट्स

इकाई–3 : हिन्दी भाषा, कम्प्यूटर और गवनेंस

- राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
- ई–गवर्नेंस, इंटरनेट
- हिन्दी भाषा शिक्षण और ई–लर्निंग

- सरकारी और गैर–सरकारी संस्थाएँ

इकाई–4 : हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

- इंटरनेट पर हिन्दी पत्र–पत्रिकाएँ
- एसएमएस की हिन्दी
- न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा
- हिन्दी के विभिन्न की बोर्ड

सहायक ग्रन्थ :

- आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
- कम्प्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन
- हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल
- कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धांत – पी.के. शर्मा
- मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज – संपा, संजय द्विवेदी
- सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद – संपा, संजय द्विवेदी
- नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
- पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
- जनसंचार के सामाजिक संदर्भ – जबरीमल्ल पारख
- जनसंचार और मास कल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी

3. (ग) सोशल मीडिया

इकाई–1 : सोशल मीडिया : अवधारणा

- सोशल मीडिया का स्वरूप और प्रकार
- सोशल मीडिया का विकास
- सोशल मीडिया, भाषा, समाज और संस्कृति
- सोशल मीडिया की आचार–संहिता
- सोशल मीडिया का प्रभाव

इकाई–2 : **सोशल मीडिया और लोकतंत्र**

- जनभागीदारी, जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया
- जनांदोलन और सोशल मीडिया
- जनसंपर्क, जनमत–निर्माण और सोशल मीडिया
- सोशल मीडिया और गवर्नेंस

इकाई–3 : **सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य**

- ब्रांड मेकिंग, ब्रांड बाजार
- बाजार, बाजार की रणनीति
- उपभोक्ता जागरूकता
- व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा

इकाई–4 : **सोशल मीडिया : विविध पक्ष**

- सोशल मीडिया और स्त्री
- सोशल मीडिया और युवा वर्ग
- सोशल मीडिया और बालपन
- आपात्काल में सोशल मीडिया
- आपात्काल में सोशल मीडिया

<u>सहायक ग्रन्थ</u> :

- सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद – संपा, संजय द्विवेदी
- मीडिया भूमण्डलीकरण और समाज – संपा, संजय द्विवेदी
- सोशल मीडिया और स्त्री – रमा
- वर्चुअल रिएलिटी ओर इन्टरनेट – जगदीश्वर चतुर्वेदी
- क्लास रिपोर्टर – जयप्रकाश त्रिपाठी
- सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया – माधव हाड़ा
- नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ला
- पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

3. (घ) अनुवाद–कौशल

इकाई–1 :

1. अनुवाद का स्वरूप, महत्त्व एवं प्रकार
2. भारत का भाषायी परिदृश्य
3. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ, अनुवाद–संबंधी संस्थाएँ और उनके कार्य, अनुवाद कार्य में प्रकाशनाधिकार

इकाई–2 :

1. अनुवाद की सामग्री; विभिन्न प्रयुक्तियाँ
2. अनुवाद–प्रक्रिया
3. अनुवाद के उपकरण

इकाई–3 : **अनुवाद अभ्यास – 1 (अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से अंग्रेजी)**

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

इकाई–4 : **अनुवाद अभ्यास – 2 (अंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से अंग्रेजी)**

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. बैंकिंग अनवाद
4. विधि अनुवाद

सहायक ग्रन्थ :

- अनुवाद के भाषिाक सिद्धांत – कैटफोर्ड, जे.सी. सिद्धांत, (अनुवादक : डॉ. रविशंकर दीक्षित) प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- अनुवाद के सिद्धांत – रेड्डी आर.आर.; (अनुवाद : डॉ. जे.एल. रेड्डी), साहित्य अकादमी, मंडी हाऊस, नई दिल्ली
- अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग; गोपीनाथन जी.; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – नगेन्द्र (संपा.), हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार; वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर–4 : क, ख एवं ग में से कोई एक

(4.5)

4. (क) कार्यालयी हिन्दी

इकाई–1 : कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

- अभिप्राय तथा उद्देश्य
- कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र
- सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी : संबंध तथा अंतर
- कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ

इकाई–2 : कार्यालयी हिन्दी की शब्दावली

- कार्यालय हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होनेवाले संबोधन, निर्देश आदि
- औपचारिक पदावलियाँ/अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

इकाई–3 : कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- सामान्य–परिचय
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि)
- रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- आवेदन–लेखन

इकाई–4 : टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण

- टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली
- प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
- संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि
- उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

सहायक ग्रंथ :

- प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के
- प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विविध – राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय
- प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्ण कुमार गोस्वामी
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे

4. (ख) भाषा दक्षता : समझ और संभाषण

इकाई–1 : भाषायी दक्षता के आयाम

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्त्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

इकाई–2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्व

- भाषिक संरचना की समझ
- भाषा–व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषिक संस्कृति (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)
- विषय–क्षेत्र

इकाई–3 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन, लक्ष्य–निर्धारण, नियोजन के स्तर पर
- शब्द–सामर्थ्य – सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य–केन्द्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

इकाई–4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप या टिप्पणी

- किसी एक विषय का भाव–विस्तार या पल्लवन
- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा – पुस्तक–समीक्षा, फिल्म–समीक्षा

सहायक ग्रन्थ :

- कम्प्यूटर एसिसटेंड लैग्वेज लर्निंग, मीडिया डिजाइन एंड एप्लीकेशंस – कीथ कैमेरॉन
- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिन्दी – दिलीप सिंह
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे
- आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी
- व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश
- जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जबरीमल्ल पारिख
- जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

4. (ग) भाषा और समाज

इकाई–1 : भाषा, समाज और संस्कृति

- भाषा और समाज का अंतर्संबंध
- भाषा व्यवस्था और भाषा–व्यवहार
- समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
- भाषा का समाजशास्त्र

इकाई–2 : भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय

- भाषा और समुदाय
- भाषा और जाति
- भाषा और जातीयता
- द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन व क्रियोल)

इकाई–3 : भाषा और सामाजिक व्यवहार

- भाषा और वर्ग
- व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग
- भाषाई अस्मिता और जेण्डर
- भाषा और संस्कृति

इकाई–4 : भाषा सर्वेक्षण

- भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
- भाषा नमूनों का सर्वेक्षण
- भाषा नमूनों का विश्लेषण
- भाषा का नवीन प्रयोग

<u>सहाकय ग्रन्त</u> :

- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
- हिन्दी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
- भाषा का संसार – दिलीप सिंह
- आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय
- Socio Linguistics : An Introduction to Langauge and Society – Peter Trudgill
- Socio Linguistics – R.H. Hudson
- An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
- The Shadow of Language – George Yule

सेमेस्टर – 1/2

MIL Comm.

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण (स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रम : बी.ए./बी.एस.सी./ बी.कॉम. ऑनर्स और प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए

इकाई–1 : भाषिक संप्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- संप्रेषण की विभिन्न मॉडल
- संप्रेषण की चुनौतियाँ

इकाई–2 : संप्रेषण के प्रकार

- मौखिक ओर लिखित
- व्यक्तिक और सामाजिक
- व्यावसायिक
- संप्रेषण (Miss Communication)
- संप्रेषण बाधाएँ और रणनीति

इकाई–3 : संप्रेषण के माध्यम

-

इकाई–4 : घटना और समझना

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
- प्रयोजन और प्रयोग – बी.आर. जगन्नाथ
- भाषा अस्मिता और हिन्दी – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- रचना का सरोकार – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- भारतीय भाषा चिंतन की पीडिका – विद्यानिवास मिश्र